रोडोडेंड्रन

हाल ही में **भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण** ने '**रोडोडेंड्रन ऑफ सिक्किम एंड दार्जिलिंग हिमालय- एन इलस्ट्रेटेड अकाउंट**' शीर्षक से एक नई रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें रोडोडेंड्रन के 45 टैक्सा (जीव वैज्ञानिक वर्गीकरण) को सूचीबद्ध किया गया है।

रोडोडेंड्रन:

- रोडोडेंड्रन **फूलों के पौधों** की प्रजाति है और इसमें लगभग 1,000 प्रजातियाँ शामिल हैं। ये मुख्य रूप से **एशिया, उत्तरी अमेरिका और यूरोप के समशीतोष्ण** क्षेत्रों के साथ-साथ दक्षिण-पूर्व एशिया तथा उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- कई प्रजातियाँ बगीचों और पार्कों में इनके **बड़े आकार एवं चमकीले रंग के कारण** लोकप्रिय सजावटी पौधों के रूप में विख्यात हैं।
- रोडोडेंड्रन **सदाबहार या पर्णपाती झाड़ियाँ या छोटे पेड़ होते हैं, जिनका तना चौड़ा तथा पत्ते सख्त होते हैं।**
- भारत में **गुलाबी रोडोडेंड्रन हिमाचल प्रदेश का राज्य फूल** है, जबकि **रोडोडेंड्रन आर्बोरम नगालैंड का राज्य फूल** और **उत्तराखंड का आधिकारिक राज्य वृक्ष है।**

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएँ:

- रिपोर्ट से पता चलता है कि **भारत के सभी रोडोडेंड्रन प्रकारों में से एक-तिहाई (34%) से अधिक दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय में पाए जाते हैं,** बावजूद इसके कि यह क्षेत्र **भारत के भौगोलिक क्षेत्र का केवल 0.3% हिस्सा है।**
- भारत में रोडोडेंड्रन की **132 टैक्सा (80 प्रजातियाँ, 25 उप-प्रजातियाँ एवं 27 किस्में)** पाई जाती हैं।
- रिपोर्ट में सूचीबद्ध 45 टैक्सा में से पाँच मानवीय दबाव तथा जलवायु परिवर्तन के कारण उच्च जोखिम का सामना कर रही हैं।
  - **रोडोडेंड्रन एजवर्थी, रोडोडेंड्रन निवेम, रोडोडेंड्रन बेली, रोडोडेंड्रन लिंडिलेई और रोडोडेंड्रन मैडेनी** संकटग्रस्त प्रजातियाँ हैं।
- रोडोडेंड्रन को **जलवायु परिवर्तन** हेतु एक संकेतक प्रजाति माना जाता है क्योंकि कुछ प्रजातियों के लिये उनके **फूलों का मौसम जनवरी की**

शुरुआत से हो सकता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rhododendron